

न्यूज ब्रीफ

हादसे में घायल युवक की बाइक चोरी

खुटार, अमृत विचार: गांव मोहनपुर निवासी अंतुल कुमार ने पुलिस की दी तहरीर में बताया था कि काम करता है। 17 दिसंबर की शाम 7:30 बजे वह डिलीवरी का काम करके बाइक से घर लौट रहा था। गांव के मोड पर दुर्घटना में घर के पास अस्पताल छुट्टी पुण्य आ जाने से वह हादसे का शिकायत हो गया, जिससे वह बोहोचरी का लिया निवारा राहगीरोंने पड़ा देखा और और होश में आने पर उसके परिजनों को सुनाना दी। लेकिन यौंके से बाइक गार्य थी। परिजनोंने उसे इलाज के लिए अस्पताल की अपार्टमेंटों के बाहर बाइक बरामदी की थी। इसके अलावा बाइक की काफी छानबानी के बाद भी कुछ पता नहीं चल पाया है। इसके बाइक को अंतुल कुमार ने पुलिस की दी तहरीर देकर बाइक बरामदी की मांग की है।

मकान में कब्जा कर भगाने का आरोप

खुटार, अमृत विचार: गांव टोडपुर निवासी शिवकुमार ने पुलिस की दी तहरीर में बताया कि वहीं की मीठी हो चुकी है। दावी रामधीर ने उसका पालन पोषण किया है। दावी की बार बेटियों की शरीरी हो चुकी है। आठ माह पूर्व बीमारी से दावी की मीठी हो गई। आरोप है कि दावी की दी बेटियोंने सकार मकान पर कानून कर लिया है और उसे घर से भाग रही है। इसके अलावा 18 दिसंबर को घर में लावा विद्युती का मीटर और तार तोड़ दिया। जिससे कापी नुकसान हो गया। जबकि इसी मालिन में घर दिसंबर को खुटार थाने में तहरीर देकर खराखरी की मांग की थी। खिलाफ एक वार्ता को फिर से विवाद किया गया। पीढ़ी शिवकुमार ने पुलिस से फिर से कापी याचिकायत कर करायाई की मांग की है।

मारपीट कर पत्नी, बच्चों को घर से निकाला
खुटार, अमृत विचार: गांव कुश्याना निवासी रेखा दीवी ने पुलिस की दी तहरीर में बताया 15 वर्ष पूर्व उसकी शादी करवा युवाओं के गांव हादसे की सुधी कुमार कुमार से हुई थी। उसके तीन बच्चे भी हैं। आरोप है कि वहीं पति शरीरी हो, यह मारपीट करता है। विवाद के बाद कई बार परिजनोंने न समझाकर उसे सुसारा भेज दिया। सात-आठ माह वूर्धे पति ने मुझे कमरे में बैद करके पीला। इसका बात तीनों बच्चों की साथ भाग रही है। इसके बाद सो भाग रही है। गांव खराखरी का फिर से विवाद किया गया। पीढ़ी शिवकुमार ने पुलिस से फिर से कापी याचिकायत कर करायाई की मांग की है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने की खुदकुशी

संवाददाता, जैतीपुर

पत्नी से पशुओं को चारा ढालने का लेकर हुआ झगड़ा

अमृत विचार: थाना गढ़वा रंगीन के गांव खराखरी में गुरुवार शाम एक युवक ने घरेलू विवाद के बाद खुद को गोली मार ली। गंभीर रूप से घायल युवक की अस्पताल ले जाते समय यास से ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

गांव

खराखरी निवासी संजीव निवासी संजीव कुमार (32) का गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे पत्नी रोशनी से हरकेश स्थिंह ने बताया कि खराखरी गांव में एक युवक ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। उसका पत्नी से किसी बात पर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि संजीव ने गुस्से में आकर तमन्चे से सीने में गोली मार ली। जानकारी होते ही परिजन

गांव खराखरी को घर से भाग रही है।

पुलिस हिरासत में आरोपी

लावा रुपये ठग लिए। पीढ़ित ने खाते से रुपये निकालना चाहा तो यात्रा बंद कर दिया। साइबर क्राइम सेल और जलालाबाद पुलिस ने संदिग्ध नंबर की जांच की। पुलिस की जांच में जलालाबाद क्षेत्र खंडहर रोड पर एक कायालय को देखा किया। पुलिस ने आरोपी को गोलीबारी करके नामक स्टॉक मार्केट निवासी का काम करवा रखा। जलालाबाद सेल में बैंट कर दिया।

पुलिस हिरासत में आरोपी

लावा रुपये ठग लिए।

पुलिस ने आरोपी को गोलीबारी करके नामक स्टॉक मार्केट निवासी का काम करवा रखा। जलालाबाद सेल में बैंट कर दिया।

पुलिस हिरासत में आरोपी

लावा रुपये ठग लिए।

पुल



कोई भी व्यक्ति आसानी से नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन हर कोई दूसरे का भला नहीं कर सकता।

-प्लेटो, दार्शनिक

सोशल फोरम

जूर जहां की वसीयत- न हो कब्र पर चरागां

आखरी वसीयत में नूरजहां ने अपनी स्वाहिंश जाहिर की थी 'इस नाचीज की कब्र पे न तो चरागां की क्या जाए, न गुलाब बिखरे जाए और न ही तिलियों के पंख उड़ाए जाए...'।

मेहरनिसा को जानते हैं आप? शायद नहीं। किंतु 'नूरजहां' का नाम लेरे ही जहां में एक हीसीन मुलाल रानी की तस्वीर उभर आती है। नूरजहां का दूसरा परिचय यह है कि उन्हें मुगल काल की सबसे ताकतवर महिला के रूप में भी देखा जाता है। यहां नूरजहां का जिक्र इसलिए हो रहा है, क्योंकि नूरजहां ही मेहरनिसा थीं।



मौ. तसीनम आजाद

लेखक



आंकड़ों में राहत पर युवाओं की चुनौती



राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा द्वारा दो दशकों से लागू मनरेगा की जगह रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 का पारित होना ग्रामीण भारत की नीति-दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव है। यह बदलाव केवल नाम का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं और शासन-दंडों का भी है। नई व्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगी या फिर योजगार गरंटी को कमज़ोर करेगी, यह कुछ बरस बाद पता चलेगा। नियंत्रित बीते 20 वर्षों में ग्रामीण भारत की तस्वीर बदली है। सड़कों, बिजली, इंटरनेट और डिजिटल भूगतान ने गंवां को मुख्यधरा से जोड़ा है। गैर-कृषि योजगार भी बढ़ रहा है। मनरेगा के तहत औसत 100 दिन की गरंटी के बावजूद मजदूरों को कम तक 50-55 दिन पाया जाता है। ऐसे में सरकार का मानना था कि पुरानी योजना प्रारंभिक नहीं रही, आजीविका और उत्पादकता पर केंद्रित नया कानून जरूरी था। जल, जलवायु और आधारभूत ढांचे पर केंद्रित नई योजना जल सुरक्षा, जल-संरक्षण, ग्रामीण परिसंपत्तियों और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कार्यों को प्राथमिकता देकर पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक प्रासंगिक बन सकती है और ग्रामीण क्षेत्रों को जल-संरक्ट और जलवायु जोखिमों से निपटने में मदद कर सकती है। पारदर्शिता के मोर्चे पर बायोमेट्रिक उपस्थिति, डिजिटल भूगतान और कड़ी नियरानी व्यवस्था जैसे प्राय्याचार-नियोजित तकनीकी उपायों से लोकेज घटेगा तो, पर प्राय्याचार पूरी तरह खत्म तभी होगा जब स्थानीय स्तर पर जवाबदेही और सामाजिक अंकेक्षण मजबूत हो।

योजना के कुछ प्रावधान गंभीर सवाल खड़े करते हैं। खत्मी के सीजन में 60 दिनों तक योजना का काम बंद रहेगा, ताकि खेतों के लिए मजदूर मिल सकें, लोकेज हव अवधि केंद्र सरकार तक रहता है। योजना क्या यह है कि मजदूरों की उपलब्धता बढ़ने से उनकी मजबूरी की सोडेजारी की ताकत घटेगी और दरवाजा पर दबाव पड़े। 125 दिनों के रोजगार की गारंटी कागज पर आकर्षक है, पर जब पुरानी योजना में 100 दिनों की गारंटी भी पूरी नहीं हो पाई, तो नई गरंटी पर भरोसा कैसे किया जाए? वित्तीय ढांचे में भी बड़ा बदलाव है। अब केंद्र 60 प्रतिशत और राज्य 40 फीसदी खर्च वहन करेगे। इससे राज्यों पर योजना जाएगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर यह अतिरिक्त बोझ 3,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। बंगाल, द्वारांखंड और पंजाब जैसे राज्यों ने इस योजना को लेकर असरहसित जारी है, उनके पीछे यही वित्तीय और प्रशासनिक चिंता है। जब अधिकांश अधिकारी केंद्र के पास होंगे, तो संयोग-संकट से ज्यूडा रहे राज्य इसमें किनारी रुचि लेंगे, यह बड़ा प्रश्न है।

यदि राज्यों ने काम कम दिया या योजना को गंभीरता से नहीं लिया, तो काम न मिलेंगे या गरीब ग्रामीण परिवारों की हालत और खराब हो सकती है। यही कारण है कि यह बदलाव ग्रामीण नीति के सबसे अहम मोड़ों में गिना जाएगा। फिलहाल नई व्यवस्था का वास्तविक असर रोजगार, कृषि उत्पादकता, आय और पर्यावरण पर कम से कम 2-3 वर्षों में ही साफ होगा। इतना तय है कि यह कदम अवसर के साथ जेखिम भी है। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या सरकार रोजगार गरंटी की आत्मा को बचाते हुए पूरी इमानदारी से ग्रामीण आजीविका और पर्यावरण के लक्ष्यों को संतुलित कर पाती है या नहीं।

प्रसंगवाद

नवीन का चुनाव और बीजेपी की रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने पटना की बांकीपुर सीट से विधायक और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन सिन्हा को पार्टी का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में जैसी नहु के बाद दूसरे कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। भारतीय जनता पार्टी के संविधान में कार्यकारी अध्यक्ष का कोई औपचारिक पद नहीं है, लोकेन साल 2019 के बाद से बीजेपी में पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त करने से पहले कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की एक पर्याप्त रुच हुई है।

जैसी नहु जून 2020 में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने थे, तब उनकी उम्र 52 साल थी।

अमित शाह 49 साल के थे। राजनाथ सिंह भी 52-53 साल के रहे होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाची की आयु भी 55-58 साल की रही होगी, जब वे पहली बार भाजपा अध्यक्ष बने थे, लिहाजा उम्र शीर्ष नेतृत्व का काई मानदंड नहीं है, लोकेन प्रधानमंत्री मोदी का यह 'नवीन' प्रयोग चुनौतीपूर्ण जरूर है।

योग्य मोदी ने मुख्यमंत्री पद पर मोहन चन्द्र माझी, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, विजय देव, भूपेंद्र पटेल, पुकर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी आदि को विराजमान का भाजपा की नई पीढ़ी को नेतृत्व पाया था। इन्हीं नेताओं को तहत नवीनी भी भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान की 'राष्ट्रीय' नहीं है। नितिन नवीन उस शृंखला की नई कड़ी बने रहे हैं, जिसे अलंक, अडवाची, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह से लेकर जैसी नहु तक ने स्थानित किया और भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सम्मान दिलाया।

उनके सामने राजनीतिक और चुनावी चुनौती यह है कि 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उपचारी, केरल में विधायक नियमन के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान की 'राष्ट्रीय' नहीं है। नितिन नवीन उस शृंखला की नई कड़ी बने रहे हैं, जिसे अलंक, अडवाची-एनडीटी को संबोधित कर रहे हैं।

वेश्व का चुनाव और भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान की 'राष्ट्रीय' नहीं है। नितिन नवीन उस शृंखला की नई कड़ी बने रहे हैं, जिसे अलंक, अडवाची-एनडीटी को संबोधित कर रहे हैं।

जब नहु पीढ़ी अध्यक्ष बने थे, तब उनकी उम्र 52 साल थी।

अमित शाह 49 साल के थे। राजनाथ सिंह भी 52-53 साल के रहे होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाची की आयु भी 55-58 साल की रही होगी, जब वे पहली बार भाजपा अध्यक्ष बने थे, लिहाजा उम्र शीर्ष नेतृत्व का काई मानदंड नहीं है, लोकेन प्रधानमंत्री मोदी का यह 'नवीन' प्रयोग चुनौतीपूर्ण जरूर है।

योग्य मोदी ने मुख्यमंत्री पद पर मोहन चन्द्र माझी, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, विजय देव, भूपेंद्र पटेल, पुकर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी आदि को विराजमान का भाजपा की नई पीढ़ी को नेतृत्व पाया था। इन्हीं नेताओं को तहत नवीनी भी भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान की 'राष्ट्रीय' नहीं है। नितिन नवीन उस शृंखला की नई कड़ी बने रहे हैं, जिसे अलंक, अडवाची-एनडीटी को संबोधित कर रहे हैं।

वेश्व का चुनाव और भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान की 'राष्ट्रीय' नहीं है। नितिन नवीन उस शृंखला की नई कड़ी बने रहे हैं, जिसे अलंक, अडवाची-एनडीटी को संबोधित कर रहे हैं।

आगाजे

आम आदमी पीढ़ी से जुड़े नेता करने के जलाले हैं, जिससे प्रदूषण भंग और रेखा सरकार का धरे रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की सरकार में दूषण का दूषण के हाथों ने जारी किया था।

प्रतिष्ठित से बेकार थे। पिछले 10 सालों की मार आज भी दिल्ली झेल रही है।

मार आज भी दिल्ली झेल रही है।

आम आदमी पीढ़ी से जुड़े नेता करने के जलाले हैं, जिससे प्रदूषण भंग और रेखा सरकार का धरे रहे हैं। अरविंद केजरीवाल की सरकार में दूषण का दूषण के हाथों ने जारी किया था।

प्रतिष्ठित के दूषणों ने भी दूषण के हाथों ने जारी किया था।

प्रतिष्ठित से बेकार थे। पिछले 10 सालों की मार आज भी दिल्ली झेल रही है।

प्रतिष्ठित से बेकार थे। पिछले 10 सालों की मार आज भी दिल्ली झेल रही है।

प्रतिष्ठित से बेकार थे। पिछले 10 सालों की मार आज भी दिल्ली झ

नीदरलैंड से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएगा भारत

• विदेशमंत्री जयशंकर ने समकक्ष से वार्ता के पूर्व की पेशकश



चीन दुर्लभ धातुओं के निर्यात के लिए देगा अनुमति

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह नागरिक उपयोग के लिए अपने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को मंजूरी देगा। भारत द्वारा बीजिंग से प्रतिबंध हटाने और आधुनिक उत्पादों के निर्माण में आवश्यक बहुतल्लुम् धातुओं के निर्यात को फिर से शुरू करने की मांग के बीच यह कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस धातु के निर्यात के लिए जायाम जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील के साथ वार्ता से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि भारत नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय और यूरोपीय संघ के महत्वपूर्ण देश के रूप में अपने संबंधों को खासा महत्व देता है।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने नीदरलैंड के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के दायरे को बढ़ावा द्या है। सेमीकंटकर्ट, डिजिटल और साइबरसैप्स आदि क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की पेशकश की है। विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील के साथ वार्ता से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि भारत नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय और यूरोपीय संघ के महत्वपूर्ण देश के रूप में अपने संबंधों को खासा महत्व देता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्राउन विवि गोलीबारी का संदिग्ध मृत मिला

प्रॉविंसेंस। अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में छिपे सानाहात में हुई भैंगा गोलीबारी के संदिग्ध की तलाज गुरुवार को न्यू-हैम्पशायर के एक भूदारान केंद्र में समाप्त हुई। जहां अधिकारियों ने इस घटना के संदिग्ध को मृत पाया। अधिकारियों ने कहा कि अग्रीपी पर मैसाहुर्टेस इंटर्लैट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कुपोंप्रॉफेसर की हत्या की भी संदेह है। प्रॉविंसेंस के पूर्व प्रमुख कर्नल ऑफिसर पेरेज ने बताया कि ब्राउन यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र और पुर्तगाली नागरिक 48 वर्षीय कलांडिया नेवेस वैलेटे युक्तु गुरुवार शाम को मृत पाया गया। ऐसा प्रॉफॉर्म होता है कि संदिग्ध ने खुद को गोली मारी थी।

पूर्व इराकी राष्ट्रपति बने

शरणार्थी एजेंसी प्रमुख वर्षुकत राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुरुवार को इराक के पूर्व राष्ट्रपति बरहम सालेह को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूनाइटेड नाइट्रोजन) का अगला प्रमुख नियुक्त करने को मजूरी दी। 1970 के दशक के बाद पूर्व इराशिया से इस पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। वर्षुकत राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने कुर्द नेता सालेह (65) को संरसमाति से इस पर के लिए चुना। सालेह, फिलिपी ग्रांटी का स्थान लेने जिनका दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल 31 दिसंबर को मात्र हो रहा है। सालेह का यार्काल एक जनवरी से शुरू होगा।

यूक्रेन को 106 अरब डॉलर क्रेण देगा ईरू

ब्रैसेल्स। यूरोपीय संघ के नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन के अगले दो वर्षों में उसकी सेवा और अधिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़ा यूक्रेन रुक्ण देने पर सहमति जताई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एनोनियो कोस्टानो ने सोशल मीडिया पर एक पोर्ट में कहा कि हार्ड वीव समझौता हो गया। 2026-27 के लिए यूक्रेन का 106 अरब डॉलर क्रेण की सहायता देने का नियन्य मंजूर कर लिया गया। हमने प्रतिबद्ध जताई और उसे पूरा किया।

अमेरिका में ब्रिटेन के नए राजदूत नियुक्त

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के अंतर्गत स्टॉर्मर ने गुरुवार को अमेरिका में ब्रिटेन के नए राजदूत की नियुक्ति की।

यह नियुक्ति उस राजनीतिकी की जगह की गई है, जिन्हें यैन अपारी जैफ़ी एप्टोनान से सबूतों के कारण पर सह दृष्टि हो गयी है। 2026-27 के लिए यूक्रेन का 106 अरब डॉलर की सहायता देने का नियन्य मंजूर कर लिया गया।

अप्रिल तक जाता है और उसे पूरा किया।

आज का भविष्यतफल

प्रौ. डॉ. ज्योतिश शर्मा
आज की ग्रह स्थिति: 20 दिसंबर, शनिवार, 2025 संवत्-2082, शक संवत् 1947
मास- पौष, पक्ष- कृष्ण पक्ष, अमावस्या 07.12 तक तपश्चत्र प्रतिपदा।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पूर्व, कृत्रु- हेमत।
चंद्रवर्ष- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृतिका, मूर्धाशीरा, पुनर्वसु, अश्लेषा, मधा, पूर्णा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्णांशुदा, उत्तरांशुदा, धनिष्ठा, पूर्णांशुदा, रेती।
नक्षत्र- मूल 21 दिसंबर 01.21 तक तपश्चत्र पूर्वांशुदा।

विदेशमंत्री जयशंकर ने समकक्ष से वार्ता के पूर्व की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने नीदरलैंड के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएगा भारत

विकसित भारत की नींव होगी मजबूत

विषय के हुंगामे और भारी विशेष के बीच संसद ने गुरुवार को विकसित भारत जी राम जी विषेष कार्यपालित कर दिया। विकसित भारत गोराटी फॉर्म रोजगार एंड अजीविका बिश्वास (ग्रामीण) या वीरी-जी राम जी नाम से लैंग इस योजना से मजबूत और दिकांग ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा। सरकार का कहना है कि विषेष के प्रावश्यन का साथ कार्यकारी मजबूती को रोजगार देने के साथ किसानों के हाथों की भी उपलब्धियां देने के लिए जायें। उन्होंने कहा कि भारत के साथ विदेश मंत्रालय के बीच यह कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस धातु के निर्यात के लिए जायाम जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड से समर्थन की उम्मीद है। कहा कि दोनों दोस्तों में समझौते हुए हैं जिनसे उपलब्ध पूर्वांशुदा के नियंत्रण के बारे में पूछे गए। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि यह नियंत्रण कानूनों व नियमों के अनुसार है और किसी विशेष देश को लक्षित नहीं करता है। उनका जवाब भारत द्वारा दुर्लभ धातुओं के निर्यात शुरू करने की भी उपलब्धियां देने की विशेषता विदेशमंत्री ने कहा है।

विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत के साथ विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड से समर्थन की उम्मीद है। कहा कि दोनों दोस्तों में समझौते हुए हैं जिनसे उपलब्ध पूर्वांशुदा के नियंत्रण के बारे में पूछे गए। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि यह नियंत्रण कानूनों व नियमों के अनुसार है और किसी विशेष देश को लक्षित नहीं करता है। उनका जवाब भारत द्वारा दुर्लभ धातुओं के निर्यात शुरू करने की भी उपलब्धियां देने की विशेषता विदेशमंत्री ने कहा है।

वीबी-जी राम जी योजना



ननरेगा से किस तरह अलग

• सरकार की माने तो नया कानून पुराणी योजना की ढांचात कमजूरियों को दूर करोगार, पारदर्शिता और जावाबदी को मजबूत करेगा। पहले मनरेगा से संबंधित वस्तुओं पर भारत के नियंत्रण के बारे में पूछे गए। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा गया कि यह ग्रामीण भारत को मजबूती देने के साथ ही विकसित भारत की नीव को और सूखदूर करेगी। इस योजना से फसलों की मात्रा नहीं होगी। बहु-फसली बीती की सम्भावना भी बहतर होगी। बाद के पासी की निकाली, जल संवर्चन और मिट्टी के संरक्षण जैसे कार्य फसलों की रक्षा करने के साथ प्राकृतिक आपदाओं से भी फसलों की रक्षा करेगी। कोनेटिविटी और आधारभूत ढांचे की मजबूती से गांवों तक बाजार अपूर्वों में दौड़े गए।

श्रमिकों की नहीं होगी कमी

• नई योजना में कौशिकारों के समय मजबूतों की कमी नहीं होगी क्योंकि राज्य फसलों की बुवाई और कटाई के समय कुल 60 दिनों की अवधि अधिसूचित कर सकते हैं जब सार्वजनिक कार्य नहीं होते। इसका फायदा यह होगा कि फसल यीजन में जल संवर्चन की दर नियतित रखेंगी और खाद्य उत्पादन की लात भी नहीं बढ़ेगी। मुख्य एवं अजीविका अवसंरचना से किसान उपज सुरक्षित रूप से भंडारित कर करके जिससे फसलों को नुकसान नहीं होगा। इराम जी वार प्राकृतिक आपदाओं से खुलासा किया जाएगा। हर ग्राम पंचायत में वर्ष में दो बाजार और डॉटेंट होंगे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सुदूर

• सरकार के मुताबिक नई योजना तात्कालिक रोजगार देने के साथ ही ग्रामीण भारत को लंबे समय के समूद्र और आत्मनियन्त्रित करने का आधान देने के लिए जारी है। इसका फायदा यह होगा कि फसलों में जल संवर्चन को विकास करेगी। योजना में जल संवर्चन की गारंटी भी देने का आधार मिल सकते। अब यह ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार और अधिक मिल सकते। अब काम सिर्फ रोजगार तक सीमित नहीं होगा। अब यह ग्रामीण काम से जुड़ी सरकारी और आधारभूत ढांचे की मात्रा

